7 मार्च, 2021

विश्व महिला दिवस के अवसर पर 'रेस्पेक्ट इंडिया' के कार्यक्रम में वक्तव्य

———

- कल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'रेस्पेक्ट इंडिया' द्वारा आयोजित नारी शक्ति को सम्मानित करने वाले इस कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

- इस अवसर पर मैं सभी आदरणीय माताओं, बहनों और बेटियों और देश की सभी महिलाओं को बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

- हमारे देश की सभ्यता और संस्कृति ने नारी का सदा सम्मान किया है। हमने हज़ारों वर्षों से नारी को स्नेह और संवेदना के साथ साथ शक्ति और सामर्थ्य का भी प्रतिरूप माना है।

- हमारे धार्मिक ग्रंथों में ऐसे दृष्टांत मिलते हैं जब संसार में व्याप्त अधर्म और बुराई अथवा राक्षसी प्रवृत्ति के विनाश के लिए शक्तिरूपेण देवी ने अवतार लिया है तथा मानवता को सच्चाई और धर्म का मार्ग दिखाया है।

- हमारी माताएं और बहनें किसी भी प्रकार से पुरुषों से कम नहीं हैं। उन्होंने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता और कुशलता दिखाई है।

- स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने पुरुषों के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर हिस्सा लिया था। आजादी की लडाई में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई होल्कर, रानी Chenamma, रानी गैडिन लिउ, एनी बेसेंट, अरुणा आसफ अली, सरोजिनी नायडू, कस्तूरबा, सिस्टर निवेदिता, आज़ाद हिन्द फौज की कैप्टन लक्ष्मी सहगल, सावित्री बाई फुले जैसी महिलाओं के योगदान को कैसे भुलाया जा सकता है। इन महान हस्तियों ने देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रभक्ति और देश प्रेम के लिए प्रेरित किया है।

- आज़ादी के बाद भी अलग अलग क्षेत्रों में महिलाओं ने देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य किया है और संपूर्ण समाज को एक नई दिशा प्रदान की है।

- एक ओर मदर टेरेसा ने वंचित समाज की सेवा और कल्याण में अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया, वहीं दूसरी ओर अरुणा रॉय, बछेंद्री पाल, कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स, इंदिरा नूयी, किरण मजूमदार शॉ ने अपने अपने क्षेत्रों में देश का नाम ऊंचा किया है।

- कई महिलायें हैं जिन्होंने चुपचाप बिना किसी प्रचार के समाज सेवा का काम किया है। महाराष्ट्र की सिंधु ताई सपकाल के कार्यों के बारे में कुछ बताना चाहता हूं। लोग उन्हें श्रद्धावश 'माई' कहते हैं। वे वास्तव में सैकड़ों बच्चों की मां हैं, पालनहार हैं। उन्होंने हजारों अनाथ बच्चों को इस योग्य बनाया कि वे समाज में सम्मान का जीवन जी सकें।

- उनकी सेवाओं की मैं हृदय से सराहना करता हूं। उनके और उनके जैसी अन्य महिलाओं के कार्यों को आगे बढ़ाने का दायित्व हम सबका है।
- आज हमारी महिलाएं राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के हर क्षेत्र में अपना योगदान दे रही हैं। वे जमीन पर हमारी सीमाओं की रक्षा भी कर रही हैं, Air Force में fighter पायलट भी हैं और Navy अफसर भी हैं।
- निश्चय ही आज महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट दे रही हैं और उनको हर बढावा दिए जाने की आवश्यकता है।
- जहां वे समाज में ग्राम पंचायत की मुखिया के रूप में ग्राम विकास भी कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर संसद में अपने क्षेत्र की समस्याओं को प्रखर स्वर भी दे रही हैं।
- वे Civil Service Officer के रूप में जिले का विकास कार्य भी कर रही हैं और केंद्र सरकार में देश की आर्थिक नीति भी तय कर रही हैं। सचमुच उनकी क्षमता अद्भुत है।
- संसद और विधायी संस्थाओं में महिला प्रतिनिधियों ने अपनी दक्षता को हमेशा साबित किया है। संसद के दोनों सदनों में कुल 107 महिला सांसद हैं जो सदन में अपने क्षेत्र की जनता के विषयों को प्रभावी तरीके से उठा रही हैं।
- कोरोना संकट के दौरान महिला चिकित्सकों और महिला Para Medical Staff ने अपनी अतुल्य सेवाएं दी हैं। खुद अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए उन्होंने इस संकट का मुक़ाबला किया है।
- आज Corona Vaccine देने में भी वे उसी प्रतिबद्धता और समर्पण से कार्य कर रही हैं। सम्पूर्ण देश उनकी इस सेवा भावना के लिए उनका सदा ऋणी रहेगा।
- कल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। आज के इस कार्यक्रम में 19 महिलाओं को सम्मानित किया जा रहा है जिन्होंने अपने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है।
- मुझे सूची देखकर प्रसन्नता हो रही है कि आज सम्मानित की जा रही महिलाओं में शिक्षाविद, साहित्यकार, पत्रकार, अधिकारी, उद्यमी, खेल जगत के साथ-साथ चिकित्सा एवं नर्सिंग जैसी आवश्यक सेवाओं से जुडी हस्तियां सम्मिलित हैं।
- आपमें से एक राफेल जेट विमान उडाने वाली पहली महिला पायलट सुश्री भावना कंठ जी हैं। मध्य प्रदेश की दुर्गम पहाडी क्षेत्रों में बाईक राइडिंग करने वाली अमिता सिंह भी हैं।
- आप सबकी उपलब्धियां यह दिखाती है कि आपकी क्षमताएं, आपका साहस और कौशल किसी से भी कम नहीं हैं। मैं आज पुरस्कृत होने वाली सभी महिलाओं को बधाई देता हूं।
- साथियों, किसी भी देश का सम्पूर्ण विकास तभी हो सकता है जब देश की महिलाएं सशक्त होंगी और अधिकारसंपन्न होंगी।

- संस्कृति की समृद्धि इसी में है कि हमारी महिलाओं को जीवन में आगे बढ़ने के, अच्छी शिक्षा के, अच्छे स्वास्थ्य के सभी अवसर मिलें।

- हम उस संस्कृति के हैं जिसमे कहा गया है कि जहां नारी की पूजा होती है, अर्थात जिस स्थान पर नारी का आदर और सम्मान होता है, वहाँ ईश्वर निवास करते हैं। हमें इसी भावना को आत्मसात करना है।

- देश का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए पुरुष और महिला में भेद-भाव को दूर करना अनिवार्य है।

- पुरुष और महिला में परस्पर ऊंच-नीच का भेद करना एक प्रकार की मानसिक जड़ता है। इस जड़ता को दूर करने की जिम्मेदारी हम सब की है।

- इसका एक ही मूल-मंत्र है कि हम अपनी बेटियों की आवाज सुनें, उसका मर्म समझें और उन्हें वे सारे अवसर प्रदान करें जिनसे उनका जीवन बेहतर बने।

- हम सबका दायित्व है कि हम अपनी बेटियों को हर प्रकार से Support करें। वे कहीं भी स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें और उन्हें सपने देखने तथा उन सपनों को पूरा करने की पूरी आजादी मिले।

- इसके लिए हम सब मिलकर कार्य करें और एक आदर्श समाज की स्थापना में अपना योगदान दें।

- केन्द्र और राज्यों के स्तर पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं को अच्छी सफलता मिल रही है।

- महिलाओं के सम्मान और महिला सशक्तिकरण का मुद्दा राजनीति या धर्म का मुद्दा नहीं है; बल्कि उनका सशक्तिकरण होना ही चाहिए।

- मैं चाहता हूं कि 8 मार्च केवल एक दिवस विशेष बनकर न रह जाए, बल्कि यह दिवस उस सामूहिक संकल्प का आधार बने, जिससे महिला व पुरुष के बीच असमानता हमेशा-हमेशा के लिए समाप्त हो जाए। हम सभी जेंडर इक्वलिटी के लिए मिलकर काम करें।

- इसी आशा के साथ मैं Respect India को उनके भविष्य के कार्यों के लिये अपनी शुभकामनायें देता हूँ।

- जय हिंद।